[न रिश्वत लेंगे, न रिश्वत देंगे] मुंबई, मंगलवार, 10 मार्च 2026 । मूल्य 0.00, कुल पृष्ठ 4 [वर्ष: 12, डिजिटल अंक: 177, प्रधान संपादक : पवन जैन पदमावत] +91-9594542679 www.padmavatmedia.in padmavatmedia@gmail.com

दैनिक हिन्दी राष्ट्रीय डिजिटल समाचार पत्र

Reg. No. MH180326353

पदमावत मीडिया

डिजिटल संस्करण महाराष्ट्र व राजस्थान से प्रकाशित

अनमोल वचन

दु:ख का कारण हमारी चित्तवृत्तिओं का प्रभाव ही है।

- तुलसीदास

निमार्णाधीन नवीन जिला 02

03 उद्घाटन सत्र में विशेषज्ञों ने दिए ...

भारत ने 3 साल में 3 आईसीसी ट्रॉफी जीतीं

● एक टी-20 वर्ल्डकप में 100+ सिक्स लगाए, संजू ने कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा ● लगातार 2 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम, पहली बार होम टीम ने टाइटल जीता

अहमदाबाद @ पदमावत मीडिया। भारत ने तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया। अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 5 विकेट पर 255 रन बनाए, न्यूजीलैंड की टीम 159 रन पर ऑलआउट हो गई।

इस जीत के साथ भारत ने तीन साल में तीसरी आईसीसी ट्रॉफी अपने नाम कर ली। साथ ही टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप के एक एडिशन में 100 से ज्यादा छक्के लगाने वाली पहली टीम बनी, जबकि संजू सैमसन ने टूर्नामेंट में एक एडिशन में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाकर विराट कोहली का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

2024 का कारनामा 2026 में दोहराया- रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने 29 जून 2024 को टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। टीम ने बारबाडोस में साउथ अफ्रीका को 7 रन के अंतर से हराया। आज टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्ड कप जीतने का कारनामा 2026 में भी दोहरा दिया।

3 इतिहास बदले

- **पहला-** पहली बार किसी होम टीम ने टी-20 वर्ल्ड कप जीता। इससे पहले कोई मेजबान टीम इस टूर्नामेंट में चैंपियन नहीं बनी।
- **दूसरा-** पहली बार किसी टीम ने लगातार दो टी-20 वर्ल्ड कप जीते। इससे पहले कोई भी टीम अपना टाइटल डिफेंड नहीं कर सकी थी।
- **तीसरा-** पहली बार किसी टीम ने तीन बार टी-20 वर्ल्ड कप जीते। किसी अन्य टीम ने इस टूर्नामेंट के 3 टाइटल नहीं जीते हैं।

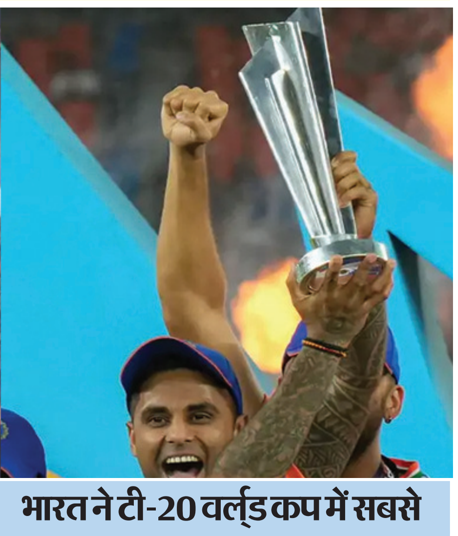

फाइनल के टॉप रिकॉर्ड्स

भारत ने 3 साल में 2 टी-20 वर्ल्ड कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी जीती- भारत ने सिर्फ तीन साल के भीतर तीन आईसीसी ट्रॉफियां अपने नाम कर लीं। टीम ने 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर 17 साल बाद यह खिताब हासिल किया। इसके बाद 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम कर जीत की लय बरकरार रखी और अब 2026 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर भारत ने तीन साल में तीसरी आईसीसी ट्रॉफी हासिल कर ली। टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल में दो-दो बार हारने वाली टीमों में पाकिस्तान, श्रीलंका और न्यूजीलैंड शामिल हैं। पाकिस्तान 2007 और 2022 में, श्रीलंका 2009 और 2012 में, जबकि न्यूजीलैंड 2021 और 2026 में फाइनल हार चुका है।

भारत 3 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहला देश

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में नया अध्याय लिख दिया। टीम इंडिया 2024 के बाद 2026 में भी चैंपियन बनी और टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब डिफेंड करने वाली पहली टीम बन गई। इसके साथ ही इंडिया तीन टी-20 वर्ल्ड कप (2007, 2024 और 2026) जीतने वाली दुनिया की पहली टीम भी बन गया। अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में जीत के साथ भारत ने पहली बार अपने घरेलू मैदान पर टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी भी जीती। इससे पहले टीम ने 2007 में साउथ अफ्रीका और 2024 में वेस्टइंडीज में खिताब जीता था। अब भारत के नाम तीन टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी हो गई हैं, जबकि वेस्टइंडीज और इंग्लैंड दो-दो बार ही यह खिताब जीत सके हैं।

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा बार 200+ का स्कोर बनाया

इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा बार 200+ का स्कोर बनाने वाली टीम बन गई। टीम इंडिया ने अब तक सात बार 200+ रन बनाए हैं। इस रिकॉर्ड में साउथ अफ्रीका 6 बार 200+ स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि वेस्टइंडीज, श्रीलंका और इंग्लैंड 4-4 बार यह आंकड़ा पार कर चुके हैं। टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा 250+ स्कोर बनाने के मामले में भी भारत टॉप पर है। टीम इंडिया अब तक सात बार 250 से ज्यादा का स्कोर बना चुकी है। इस रिकॉर्ड में आईपीएल टीम सनराइजर्स हैदराबाद 5 बार 250+ स्कोर के साथ दूसरे नंबर पर है। भारत ने 2026 में चार बार 250+ स्कोर बनाया, जो किसी भी टीम से एक साल में सबसे ज्यादा है।

खबर संक्षेप

विनोद पांडे त्रिमेस राष्ट्रीय युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष नियुक्त

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। श्री त्रिवेदी मेवाड़ा ब्राह्मण समाज की उदयपुर में आयोजित बैठक में समाज के राष्ट्रीय संयोजक भूपेंद्र पंड्या ने उदयपुर के विनोद पांडे को राष्ट्रीय युवा प्रकोष्ठ का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की घोषणा की। इस घोषणा के बाद मेवाड़ एवं बागड़ क्षेत्र में समाजजनों में हर्ष का माहौल बन गया। समाज के अनेक पदाधिकारियों एवं गणमान्यजनों ने श्री पांडे को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। श्री विनोद पांडे लंबे समय से सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए समाज सेवा के विभिन्न कार्यों से जुड़े रहे हैं। इस अवसर पर समाज के राष्ट्रीय संरक्षक पूर्व जिला उप प्रमुख लक्ष्मी नारायण पंड्या, प्रियाकांत पड्या व पवन अमरावत ने विश्वास व्यक्त किया कि श्री पांडे के नेतृत्व में राष्ट्रीय युवा प्रकोष्ठ और अधिक सशक्त होकर समाज के युवाओं को संगठित करेगा तथा समाज के विकास, शिक्षा और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

काव्य संग्रह सुक्खी की दाई का हुआ लोकार्पण

जयपुर @ पदमावत मीडिया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पहली पोथी की नई पहल के अंतर्गत चित्रकूट स्थित भाभा पब्लिक स्कूल में आयोजित साहित्यिक

समारोह में वरिष्ठ साहित्यकार नूतन गुप्ता के काव्य संग्रह सुक्खी की दाई का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में साहित्यकारों, साहित्य प्रेमियों और बुद्धिजीवियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही तथा कृति के साहित्यिक महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। युवा समीक्षक मनमीत सोनी ने युवा दृष्टि में नूतन गुप्ता का कविता संसार विषय पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस काव्य संग्रह की कविताओं में स्त्री जीवन के संघर्ष, संवेदनाओं और अनुभवों की गहन अभिव्यक्ति दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि कवयित्री ने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज में स्त्री की स्थिति और उसके आत्मबल को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया है। विशिष्ट अतिथि जयश्री शर्मा ने कहा कि नूतन गुप्ता की कविताओं में उभरता स्त्री विमर्श समकालीन साहित्य के लिए महत्वपूर्ण है। वहीं रेशमा खान ने कहा कि महिलाओं की अभिव्यक्ति समाज के समग्र विकास के लिए आवश्यक है और ऐसी कृतियाँ नारी चेतना को सशक्त बनाती हैं। मुख्य वक्ता डॉ. बजरंग सोनी ने कृति की संवेदनात्मक गहराई और सामाजिक सरोकारों पर प्रकाश डालते हुए इसे पाठकों को समाज के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराने वाली रचना बताया। मुख्य अतिथि डॉ. शारदा कृष्ण ने नूतन गुप्ता की रचनाशीलता की सराहना करते हुए कहा कि उनकी कविताएँ जीवन के यथार्थ और मानवीय भावनाओं को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त करती हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता फारूक आफरीदी ने की। उन्होंने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण है और ऐसी रचनाएँ समाज को संवेदनशील और जागरूक बनाने का कार्य करती हैं। कार्यक्रम का संचालन सुनीता बिश्नोलिया ने किया। समारोह में उपस्थित साहित्यकारों और साहित्य प्रेमियों ने काव्य संग्रह सुक्खी की दाई को स्त्री जीवन की संवेदनाओं और संघर्षों की सशक्त अभिव्यक्ति बताया।

एक पेड़ मां के नाम लगाएं : देवनानी

जयपुर @ पदमावत मीडिया। अजमेर संभाग स्तरीय वन मेला महात्मा गांधी स्मृति वन उघान शास्त्री नगर में आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि श्री वासुदेव देवनानी विधानसभा अध्यक्ष रहे। देवनानी के आने पर मुख्य वन संरक्षक श्रीमती ख्याति माथुर एवं उप वन संरक्षक श्री पी. बालामुरूगन द्वारा स्वागत किया गया। संभाग स्तरीय वन मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि वासुदेव देवनानी विधानसभा अध्यक्ष द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। देवनानी ने कहा कि महिलाओं की सक्रिय सहभागिता से विभागीय कार्यों में नई ऊर्जा और संवेदनशीलता का संचार हो रहा है।

आधारभूत सुविधाओं का सुनियोजित विकास राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

गांव से लेकर शहर तक का समग्र एवं योजनाबद्ध विकास हो सुनिश्चित : मुख्यमंत्री

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आधारभूत सुविधाओं का सुनियोजित विकास कर आमजन के जीवन को बेहतर बनाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं को लेकर सभी विभाग समन्वय से कार्य करें, ताकि आमजन को समयबद्ध रूप से पूरा लाभ पहुंचाया जा सके। मुख्यमंत्री ने सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित राजस्थान / 2047 के विजन के अनुरूप योजनाबद्ध विकास के लिए प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायत स्तर से लेकर शहरी नगर निकाय एवं जिला स्तर तक के लिए मास्टर प्लान की कार्ययोजना बनाकर शीघ्र क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

श्री शर्मा ने कहा कि ह्यडॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ग्राउंड जीरो पर जाकर पानी, बिजली, सड़क, शिक्षा एवं चिकित्सा जैसी सभी मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं का सर्वे किया जाए, जिससे संसाधनों का अधिकतम सदुपयोग सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि सड़क, सीवरेज, शुद्ध पेयजल और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना हमारी अवसंरचना विकास से जुड़ी योजनाओं और नीतियों का केंद्र बिंदु है। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवासन, स्वायत शासन विभाग, जयपुर विकास प्राधिकरण एवं राजस्व विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने की भ्रष्ट एवं अनुशासनहीन लोक सेवकों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई

जयपुर। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन को संवेदनशील, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन देने के लिए जवाबदेहिता और पारदर्शिता के साथ कार्य कर रही है। इसी दिशा में जनहित से जुड़े कार्यों में लापरवाही, अनुशासनहीनता एवं भ्रष्टाचार के दोषी कार्मिकों के विरुद्ध निरंतर सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने अभियोजन स्वीकृति, 17-ए एवं विभागीय जांच के 50 से अधिक प्रकरणों को निस्तारित किया। श्री शर्मा ने निजी व्यक्तियों के पक्ष में गैर कानूनी तरीके से आदेश पारित कर अवैध लाभ पहुंचाने के आरोपों में तत्कालीन उपखण्ड अधिकारी सहित सार्वजनिक निर्माण एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के दो अधिकारियों के विरूद्ध अभियोजन स्वीकृति दी। साथ ही, न्यायालय से दोषसिद्ध होने के आधार पर कृषि उपज मण्डी समिति के तत्कालीन सचिव को राज्य सेवा से पदच्युत किया गया तथा निरन्तर लंबी अनुपस्थिति के आधार पर एक अन्य अधिकारी को राजकीय सेवा से हटाया गया। इसी प्रकार उन्होंने पद के दुरूपयोग, अनियमित भुगतान एवं राजकोष को हानि पहुंचाए जाने के आरोपों के तहत तत्कालीन विकास अधिकारी के विरूद्ध भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2018 की धारा 17-ए के तहत विस्तृत जांच एवं अनुसंधान का भी अनुमोदन किया। मुख्यमंत्री ने भारतीय पुलिस सेवा के एक अधिकारी के विरूद्ध दो प्रकरणों में संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से दण्ड की मात्रा बढ़ाने का अनुमोदन किया। साथ ही, राज्य सेवा के अधिकारियों के विरूद्ध संचालित सीसीए नियम-16 में गंभीर आरोपों के 23 प्रकरणों में 27 अधिकारियों के विरूद्ध दो से चार वेतन वृद्धियां संचयी प्रभाव से रोके जाने की शास्ति से दण्डित किया। श्री शर्मा ने सेवानिवृत्त अधिकारियों के पांच प्रकरणों में पेंशन रोकने तथा अन्य नौ प्रकरणों में प्रमाणित आरोपों के जांच निष्कर्ष का अनुमोदन करते हुए राज्यपाल को प्रकरण अग्रेषित किए। वहीं, राज्य सेवा के अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत अपील के पांच प्रकरणों में से चार को खारिज करते हुए एक में दण्ड की मात्रा कम की गई।

नारी सम्मान और सामाजिक मयार्दा की रक्षा को लेकर आर्य समाज महिला प्रकोष्ठ का अभियान, प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। आर्य समाज हिरण मगरी महिला प्रकोष्ठ की ओर से समाज में नारी सम्मान और सामाजिक मयार्दा की रक्षा को लेकर एक जागरूकता अभियान प्रारंभ करते हुए प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया। प्रकोष्ठ की संचालिका चन्द्रकांता वैदिका के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में समाज में बढ़ रहे अशोभनीय प्रदर्शनों पर रोक लगाने की मांग की गई।

चन्द्रकांता वैदिका ने कहा कि नारी सृष्टि के आरंभ से ही परमात्मा की बनाई हुई एक अद्भुत और पवित्र कृति है। भारतीय संस्कृति में नारी को सदैव सम्मान, मयार्दा और पूजनीय स्थान दिया गया है। नारी अपने संस्कार, आचरण और जीवन मूल्यों से समाज को दिशा देने का कार्य करती है, इसलिए उसके सम्मान और गरिमा की रक्षा करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय में कई दुकानों और चौराहों पर महिलाओं के अंतःवस्त्रों को डमी के माध्यम से सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया जा रहा है, जो सभ्य और संस्कारित समाज की गरिमा के अनुरूप नहीं है। इस प्रकार का अशोभनीय प्रदर्शन न केवल सामाजिक मूल्यों को आहत करता है, बल्कि युवाओं के बीच भी गलत संदेश प्रसारित करता है।

उन्होंने कहा कि समाज में जैसा वातावरण प्रस्तुत किया जाता है, वैसा ही प्रभाव नई पीढ़ी के मन-मस्तिष्क पर पड़ता है। इसलिए आवश्यक है कि हम सभी मिलकर समाज में नारी के सम्मानजनक और पूजनीय स्वरूप को प्रस्तुत करें तथा इस प्रकार की प्रदर्शनी संस्कृति को समाप्त करने की दिशा में कदम उठाएं।

प्रकोष्ठ की ओर से व्यापारियों से भी विशेष अपील की गई कि वे सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए अपनी दुकानों के बाहर इस प्रकार के अशोभनीय प्रदर्शन से परहेज करें और एक संस्कारित, स्वस्थ तथा आदर्श समाज के निर्माण में सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि यदि सुधार की शुरूआत हम स्वयं से करेंगे तो निश्चित रूप से समाज में सकारात्मक परिवर्तन आएगा और उदयपुर जैसी सांस्कृतिक नगरी से एक प्रेरणादायक संदेश पूरे देश में जाएगा।

देवघर में संत समाज की ऐतिहासिक घोषणा : कालकानंद गिरी बनीं जमशेदपुर किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर, देश-विदेश से मिल रही बधाइयाँ

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

देवघर/झारखंड । बाबा बैद्यनाथ की पावन नगरी देवघर में आयोजित एक भव्य धार्मिक समारोह के बीच किन्नर समाज के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया, जब जमशेदपुर निवासी कालकानंद गिरी को विधि-विधान, वैदिक मंत्रोच्चार और संत-महात्माओं की उपस्थिति में जमशेदपुर किन्नर अखाड़ा का महामंडलेश्वर घोषित किया गया। इस ऐतिहासिक घोषणा के साथ ही समारोह स्थल जयकारों और तालियों की गूंज से गुंजायमान हो उठा तथा श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक धार्मिक विधियों के साथ विशेष पूजा-अर्चना और अनुष्ठान संपन्न हुए। अखाड़ा के संतों, महंतों और पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से कालकानंद गिरी को यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपते हुए कहा

कि उनका चयन किन्नर समाज के लिए नई दिशा और प्रेरणा का प्रतीक है। संत समाज ने उन्हें आशीर्वाद देते हुए धर्म, सेवा और समाज कल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ने का संदेश दिया। बताया गया कि कालकानंद गिरी लंबे समय से धार्मिक और सामाजिक कार्यों से जुड़ी हुई हैं। किन्नर समाज के उत्थान, धार्मिक परंपराओं के संरक्षण तथा समाज में समानता और सम्मान की भावना को मजबूत करने के लिए वे लगातार सक्रिय रही हैं। उनके इसी समर्पण और सेवा भावना को देखते हुए संत समाज ने उन्हें यह गरिमामय जिम्मेदारी सौंपी है। महामंडलेश्वर घोषित होने के बाद कालकानंद गिरी ने संत समाज और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पद उनके लिए सम्मान के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि वह किन्नर समाज को धार्मिक, सामाजिक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य करेंगी तथा समाज में प्रेम, सद्भाव और मानवीय मूल्यों को आगे बढ़ाने का प्रयास करती रहेंगी। इस घोषणा के बाद कालकानंद गिरी को देश ही नहीं बल्कि विदेशों से भी लगातार बधाइयाँ मिल रही हैं। विभिन्न धार्मिक संगठनों, सामाजिक संस्थाओं और समाज के गणमान्य लोगों ने उन्हें शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल नेतृत्व की कामना की है। एंटी करप्शन एंड क्राइम कंट्रोल कमेटी के मीडिया सेल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. भगवान दास वैष्णव ने भी कालकानंद गिरी को इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। इसके साथ ही उदयपुर एवं राजसमंद जिले सहित कई स्थानों से समाजजनों, धर्मप्रेमियों और सामाजिक कार्यकताओं द्वारा उन्हें बधाइयाँ दी जा रही हैं।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संत-महात्मा, श्रद्धालु और समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह के समापन पर भंडारा एवं प्रसाद वितरण का आयोजन भी किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और उत्साह के साथ भाग लिया। धार्मिक आस्था, परंपरा और सामाजिक समरसता से परिपूर्ण यह आयोजन सभी के लिए एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायक अवसर बन गया।

खबर संक्षेप

आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों ने नारायण सेवा संस्थान में सेवा कार्यों को देखा

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। लाल बहादुर शास्त्री नेशनल एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, मसूरी के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के ग्यारह प्रशिक्षु

अधिकारियों ने सोमवार को नारायण सेवा संस्थान का अवलोकन कर दिव्यांगजन की शिक्षा, चिकित्सा एवं सामाजिक पुनर्वास के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। अधिकारियों ने देश के विभिन्न राज्यों से निःशुल्क उपचार तथा कृत्रिम अंग और कैलिपर लगवाने आए दिव्यांगजनों से मुलाकात कर उनकी पीड़ा को समझा तथा संस्थान में उपलब्ध सेवाओं और सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि ग्रुप लीडर गोसिका पी आर एवं एसोसिएट ग्रुप लीडर अंकित पांडे के नेतृत्व में आए इस दल में हरिप्रसाथ एम, सुशांत कुमार, शिवानी मोहन, सक्षम भाटिया, पाटिल कृष्णा बब्रुवान, कुमुद मिश्रा, फरखंदा कुरैशी, दिव्यांश मीना और अभिषेक कुमार सिंह शामिल थे। प्रशिक्षु दल ने संस्थान के बड़ी स्थित परिसर में दिव्यांगों की सर्जरी व्यवस्था, रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण के अंतर्गत संचालित सिलाई, मोबाइल और कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्रों तथा कृत्रिम अंग-कैलिपर निर्माण कार्यशाला का अवलोकन किया। दल ने गरीब बच्चों को डिजिटल शिक्षा देने वाली नारायण चिल्ड्रन एकेडमी में बच्चों की प्रतिभा और कला-कौशल को भी रुचि के साथ देखा। संस्थान निदेशक वंदना अग्रवाल ने अधिकारियों का उपरणा एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया और संस्थान के निःशुल्क सेवा प्रकल्पों की जानकारी दी। डॉ. विशाल अग्रवाल ने इलिजारोव पद्धति से दिव्यांगों के उपचार की प्रक्रिया समझाई, जबकि डॉ. मानस रंजन साहू ने कृत्रिम अंग एवं कैलिपर निर्माण की तकनीक और प्रकारों के बारे में बताया। कार्यक्रम के अंत में महिम जैन ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

नीले आसमान के नीचे नदी तट पर पहाड़ों के बीच इठलाता पलाश

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। प्राकृतिक एवं नैसर्गिक सौंदर्य से परिपूर्ण उदयपुर जिले के आस-पास के क्षेत्रों में पलाश के वृक्ष

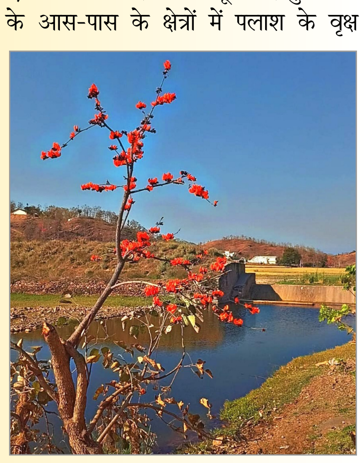

लेकसिटी की सौंदर्यता को चार चांद लगा रहे है। नीले आसमान की छांव में बहती शांत नदी के तट पर, चारों ओर फैले पहाड़ों के बीच खिले पलाश के लाल-नारंगी फूलों ने पूरे क्षेत्र को अद्भुत सौंदर्य से भर दिया है। वसंत ऋतु के आगमन के साथ ही पलाश के वृक्षों पर खिले फूल दूर-दूर तक आग जैसी चमक बिखेरते दिखाई दे रहे हैं। नदी के किनारे बसे इस प्राकृतिक दृश्य में पहाड़ों की हरियाली और पलाश के चमकीले फूलों का संगम पर्यटकों और प्रकृति प्रेमियों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। सुबह की सुनहरी धूप जब इन फूलों पर पड़ती है, तो पूरा इलाका रंगों की अनोखी छटा से जगमगा उठता है। प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण इस दृश्य को प्रकृतिप्रेमी सुनील व्यास ने कैद किया है।

राजकीय कन्या महाविद्यालय में शुरू होंगे एपेरल व आइटी के सर्टिफिकेट कोर्स

भीलवाड़ा @ पदमावत मीडिया। राजस्थान सरकार की ओर से युवाओं को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप तैयार करने के लिए फिनिशिंग स्कूल प्रोग्राम की शुरूआत की जा रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य स्नातक एवं स्नातकोत्तर के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करना है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 सावन कुमार जांगिड ने बताया कि महाविद्यालय में एपेरल तथा आइटी क्षेत्र से जुड़े सर्टिफिकेट कोर्स शीघ्र शुरू किए जाएंगे। इनमें एंडवांस पेर्टन मैकर और फुल स्टैक वेब डवलपमेन्ट कोर्स पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम में अधिकतम 30 तथा न्यूनतम 20 सीटें निर्धारित की गई है। इन कोर्सों के तहत विद्यार्थियों को 510 से 540 घंटे का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

निमार्णाधीन नवीन जिला चिकित्सालय का कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण, एक माह में कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

सलूम्बर। जिला मुख्यालय के समीप गुड क्षेत्र में निमार्णाधीन नवीन जिला चिकित्सालय भवन का सोमवार को जिला कलेक्टर अवधेश मीना ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और निर्माण कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने कहा कि नवीन जिला चिकित्सालय भवन के निर्माण के लिए सभी आवश्यक तैयारियां तय समय सीमा में पूर्ण की जाएं, ताकि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने भवन में फायर सेफ्टी से जुड़े कार्यों की

समीक्षा करते हुए फायर सेफ्टी इंजीनियर पी.के. माथुर को एक माह के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर मीना ने डीजी सेट, विद्युत व्यवस्था, रेलिंग स्टील पाइप, मेडिकल स्टोर, अन्य स्टोर, ओपीडी लिफ्ट, रोगियों के लिए वेटिंग कुर्सियां तथा भवन की फिनिशिंग सहित अन्य शेष कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने एनएचएम सेल के इंजीनियर हितेश गुप्ता एवं उनके अधीनस्थ अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सभी कार्य एक माह की निर्धारित अवधि में पूर्ण किए जाएं और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए।

जिला कलेक्टर ने कहा कि नवीन जिला चिकित्सालय भवन शुरू होने से क्षेत्र के नागरिकों को आधुनिक एवं बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसलिए निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए और कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. महेन्द्र कुमार परमार, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेश दोशी, जिला कार्यक्रम अधिकारी देवेन्द्र पुरी गोस्वामी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पंच गौरव कार्यक्रम की कार्ययोजना पर समीक्षा बैठक, जिला कलेक्टर ने दिए समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

सलूम्बर। जिले के समग्र विकास को गति देने के उद्देश्य से संचालित पंच गौरव कार्यक्रम के अंतर्गत विस्तृत कार्ययोजना की समीक्षा के लिए सोमवार को जिला कलेक्टर कक्ष में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला कलेक्टर अवधेश मीणा ने की, जिसमें विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में पंच गौरव कार्यक्रम के तहत जिले में प्रस्तावित विकास कार्यों की प्रगति, उनकी कार्यान्वयन रणनीति तथा विभागवार जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। नोडल प्रभारी एवं उपनिदेशक आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग शेल सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी वित्तीय वर्ष के बजट के लिए आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर दिए गए हैं।

बैठक के दौरान जिला कलेक्टर ने राजीविका के अंतर्गत प्रस्तावित पलाश प्रोसेसिंग यूनिट का कार्य शुरू नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को इसे शीघ्र प्रारंभ कराने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करना अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

कलेक्टर मीणा ने जयसमंद झील क्षेत्र के विकास को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि झील क्षेत्र में सड़क आवागमन को सुगम बनाया जाए तथा यात्रियों के लिए पेयजल, शौचालय जैसी मूलभूत

सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। इसके साथ ही पर्यटकों की सुविधा के लिए कैफेटेरिया विकसित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वर्षभर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए, जिनमें जनजागरूकता अभियान, प्रदर्शनी एवं अन्य गतिविधियां शामिल हों, ताकि आमजन को पंच गौरव कार्यक्रम के उद्देश्यों और योजनाओं की जानकारी मिल सके। बैठक में पलाश की नर्सरी विकसित करने तथा पलाश वाटिका स्थापित करने के लिए आवश्यक प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए गए। जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पंच गौरव कार्यक्रम के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध और प्रभावी क्रियान्विति सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य जिले के समग्र विकास को गति देना तथा आमजन को विभिन्न योजनाओं का अधिकतम लाभ उपलब्ध कराना है। इसके लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करना होगा।

बैठक के अंत में जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पंच गौरव कार्यक्रम के तहत जिले की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा समय-समय पर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए, ताकि योजनाओं का प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

बैठक में पंच गौरव कार्यक्रम से जुड़े विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय सतत विकास लक्ष्य क्रियान्वयन एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक आयोजित

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

सलूम्बर। जिला कलेक्ट्रेट परिसर स्थित वीसी कक्ष में जिला स्तरीय सतत विकास लक्ष्य क्रियान्वयन एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में सतत विकास लक्ष्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों का आकलन किया गया तथा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में उपनिदेशक आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग शेल सिंह ने कहा कि सतत विकास लक्ष्य वर्ष 2030 तक समावेशी और सतत विकास सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण वैश्विक पहल है। इसके माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक विकास का लाभ पहुंचाने का उद्देश्य निर्धारित किया गया है।

उन्होंने बताया कि सतत विकास लक्ष्यों के अंतर्गत गरीबी उन्मूलन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, स्वच्छ जल एवं स्वच्छता, लैंगिक समानता, पर्यावरण संरक्षण तथा सतत आजीविका जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सभी विभागों को योजनाबद्ध तरीके से कार्य करना होगा। बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित की जाए तथा विभागीय स्तर पर किए जा रहे कार्यों की नियमित समीक्षा की जाए। साथ ही संबंधित विभागों को आवश्यक सूचनाएं एवं प्रगति रिपोर्ट समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए, ताकि जिले में लक्ष्यों की प्राप्ति की प्रभावी मॉनिटरिंग की जा सके।

59 वर्षीय महिला की दुर्लभ जन्मजात बीमारी का सफल इलाज

डॉक्टरों ने लेजर तकनीक से गुर्दे की दो नलियों से निकालीं 8 पत्थरियाँ

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर । पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के यूरोलॉजी विभाग ने एक 59 वर्षीय महिला की दुर्लभ जन्मजात बीमारी का सफलतापूर्वक इलाज कर उसे नया जीवन प्रदान किया है। महिला के बाएं गुर्दे में जन्म से ही दो नलियां थीं, जिनमें फंसी 8 पत्थरियों को लेजर तकनीक के जरिए बिना किसी बड़े चीरे के बाहर निकाला गया। इस सफल ऑपरेशन में यूरोलॉजिस्ट डॉ.क्षितिज रॉका, डॉ.गोविन्द, निश्चेतना विभाग के डॉ.प्रकाश औदिच्य, डॉ.अनिल,सुभाष शर्मा,घनश्याम नागर,सुरेश छीपा एवं टीम का सहयोग रहा। दरअसल 59 बर्षीय इस मरीज को पिछले एक महीने से कमर के बाएं हिस्से में हो रहे रुक-रुक कर असहनीय दर्द से परेशान थी। परिजनो ने स्थानीय चिकित्सक को जगह दिखाया लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। सीटी स्कैन रिपोर्ट में एक अत्यंत दुर्लभ स्थिति लेफ्ट

डुप्लेक्स कलेक्टिंग सिस्टम का पता चला। यूरोलॉजिस्ट डॉ.क्षितिज रॉका ने बताया कि सामान्यतः शरीर में प्रत्येक गुर्दे से मूत्र ले जाने के लिए एक ही नली (यूरेटर) होती है, लेकिन इस महिला के बाएं गुर्दे में जन्म से ही दो नलियां मौजूद थीं। इसके साथ ही वह लेफ्ट यूरेट्रोसील से भी ग्रसित थी, जिसमें नली का निचला हिस्सा गुब्बारे की तरह फूल गया था और उसमें 7 से 8 पत्थरियाँ फंसी हुई थीं। चिकित्सकों ने मरीज की उम्र और स्थिति की जटिलता को देखते हुए ओपन सर्जरी के बजाय एंडोस्कोपिक यूरेटेरोस्कोपी करने का निर्णय लिया।

मध्य प्रदेश पुलिस अकादमी में परिवहन उप निरीक्षक बैच के आधारभूत प्रशिक्षण का शुभारंभ

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस अकादमी, भोपाल में आज परिवहन उप निरीक्षक बैच के 20 प्रशिक्षु अधिकारियों के आधारभूत प्रशिक्षण का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम परिवहन आयुक्त, मध्यप्रदेश श्री उमेश जोगा तथा मध्य प्रदेश पुलिस अकादमी के उप निदेशक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के सानिध्य में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर परिवहन उप निरीक्षक के लिए आयोजित 90 दिवसीय आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों को आंतरिक (इनडोर) एवं आउटडोर कक्षाओं के माध्यम से व्यावसायिक दक्षता प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही फायरिंग प्रशिक्षण तथा कंप्यूटर आधारित तकनीकी कक्षाएं भी संचालित की जाएंगी, जिससे प्रशिक्षु अधिकारी आधुनिक पुलिसिंग एवं परिवहन प्रबंधन से संबंधित

आवश्यक कौशल प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परिवहन आयुक्त श्री उमेश जोगा ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि परिवहन संबंधी कानूनों की गहन समझ और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कानूनी ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को तकनीकी रूप से अपडेट रहने, कार्य के दौरान व्यावहारिक (प्रैक्टिकल) दृष्टिकोण अपनाने तथा आमजन के प्रति संवेदनशील व्यवहार बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने यह भी कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के बाद राहत एवं सहायता से संबंधित शासन की योजनाओं का लाभ समय पर पीड़ितों तक पहुंचाना भी अधिकारियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

मध्य प्रदेश पुलिस अकादमी के उपनिदेशक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए अकादमी की विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों से प्रशिक्षुओं को अवगत कराया।

कार्यक्रम के अंत में उप पुलिस अधीक्षक श्री तिलक राज प्रधान द्वारा आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती रश्मि पांडे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति उमठ, परिवहन उपायुक्त श्री किरण शर्मा, अकादमी के समस्त राजपत्रित अधिकारी एवं स्टाफ उपस्थित रहे।

अवैध अफीम की खेती पर मध्यप्रदेश पुलिस का बड़ा प्रहार :

3 करोड़ रुपये से अधिक की 7890 किलोग्राम फसल जब्त

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

भोपाल। प्रदेश में अवैध मादक पदार्थों के उत्पादन एवं तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विगत एक सप्ताह के दौरान छतरपुर, टीकमगढ़ एवं दमोह जिलों में पुलिस द्वारा अवैध रूप से की जा रही अफीम की खेती के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए लगभग 7890 किलोग्राम से अधिक अफीम की फसल जब्त की गई है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत 3 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। संबंधित प्रकरणों में एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

छतरपुर : छतरपुर जिले के थाना गढ़ीमलहरा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम उर्दमऊ में पुलिस

को खेत में अवैध रूप से अफीम की खेती किए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर खेत का निरीक्षण किया गया, जहां लगभग आधा एकड़ क्षेत्रफल में डोडा युक्त अफीम के पौधे लगे पाए गए। पुलिस द्वारा मौके पर विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए खेत में लगे अफीम के पौधों को जड़ सहित उखाड़कर जब्त किया गया है। जब्त की गई फसल का

कुल वजन लगभग 1140 किलोग्राम पाया गया, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग 70 लाख रुपये आंकी गई है।

टीकमगढ़ : टीकमगढ़ जिले के थाना दिगोड़ा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम प्रतापपुरा में पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि कृषि भूमि में अन्य फसलों के बीच अवैध रूप से अफीम के पौधे लगाए गए हैं। सूचना की पुष्टि होने पर पुलिस टीम द्वारा मौके पर दबिश दी गई तथा

खेत का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान गेहूं की फसल के बीच अवैध रूप से उगाए गए अफीम के पौधे पाए गए। पुलिस द्वारा मौके पर अफीम के पौधों को जड़, तना एवं पत्तियों सहित उखाड़कर जब्त किया गया और उनकी विधिवत तौल कराई गई। कार्रवाई के दौरान कुल लगभग 419.1 किलोग्राम अवैध अफीम की फसल बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत 45 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है।

दमोह : दमोह जिले के तेजगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत इमलिया चौकी के ग्राम सुहेला में पुलिस को अवैध रूप से अफीम की खेती किए जाने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना के आधार पर पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर खेत का निरीक्षण किया गया, जहां लगभग ढाई एकड़ क्षेत्र में अवैध रूप से अफीम की फसल पायी गई। उक्त फसल को अन्य कृषि फसलों के बीच छिपाकर लगाया गया था। पुलिस द्वारा मौके पर पर्याप्त पुलिस बल एवं श्रमिकों की सहायता से पूरी फसल को उखाड़कर जब्त किया गया है। जब्त की गई फसल का कुल वजन लगभग 6331.5 किलोग्राम पाया गया, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग 1 करोड़ 89 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है।

मंडला 2026 शोध लेखन कार्यशाला का प्रथम दिन

उद्घाटन सत्र में विशेषज्ञों ने दिए शोध संस्कृति को मजबूत करने के संदेश

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। यूजीसी सेंटर फॉर वीमेंस स्टडीज, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर द्वारा मंडला 2026ः प्लेसेंटली इन्क्लूसिव के तहत आयोजित दो दिवसीय शोध पत्र लेखन कार्यशाला का आगाज 9 मार्च 2026 को गोल्डन जुबिली गेस्ट हाउस के मीटिंग हॉल में गरिमापूर्ण उद्घाटन सत्र के साथ हुआ। यह कार्यशाला स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई है, जिसमें विशेष ध्यान आदिवासी विद्यार्थियों और युवा शोधार्थियों पर केंद्रित है। उद्घाटन सत्र में प्रज्ञा केवलरामानी, आईएएस, प्रो. संजय लोढ़ा तथा माणिक्य लाल वर्मा जनजातीय शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर के निदेशक की विशिष्ट उपस्थिति रही, जिन्होंने युवा पीढ़ी में शोध संस्कृति को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

अतिथियों ने अपने उद्बोधनों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत शोध एवं अकादमिक लेखन को विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य बनाए जाने की आवश्यकता, जनजातीय समुदायों के ज्ञान-विमर्श को मुख्यधारा के अकादमिक मंचों से जोड़ने की महत्ता, तथा लैंगिक न्यायपूर्ण और समावेशी शोध दृष्टि विकसित करने पर बल दिया। प्रज्ञा केवलरमानी, आईएएस ने प्रशासनिक अनुभव के उदाहरणों के साथ बताया कि साक्ष्य-आधारित नीति निर्धारण के लिए गुणवत्तापूर्ण शोध किस प्रकार जमीनी हस्तक्षेपों को अधिक प्रभावी बना सकता है। प्रो. लोढ़ा ने युवा शोधार्थियों से अपेक्षा की कि वे शोध के माध्यम से आदिवासी एवं हाशिए के समुदायों से जुड़े वास्तविक प्रश्नों को अकादमिक केंद्र में लाएँ।

उद्घाटन एवं ओरिएंटेशन सत्र में आयोजकों ने विस्तार से बताया कि मंडला 2026 एक चरणबद्ध कार्यक्रम है। प्रथम चरण के रूप में यह दो दिवसीय शोध पत्र लेखन कार्यशाला आयोजित की जा रही है, जिसका उद्देश्य यूजी और पीजी स्तर के विद्यार्थियों, विशेषकर आदिवासी पृष्ठभूमि से आने वाले विद्यार्थियों को शोध प्रक्रिया, शोध पद्धति और अकादमिक लेखन की बुनियादी समझ से सशक्त बनाना है। दूसरा चरण जुलाई 2026 में प्रस्तावित युवा स्कॉलर्स सेमिनार होगा, जिसमें प्रतिभागी अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। तीसरा चरण शोध पत्रों की समीक्षा, संशोधन और संभावित प्रकाशन की दिशा में मार्गदर्शन एवं मेंटरशिप से जुड़ा होगा, ताकि विद्यार्थी केवल कार्यशाला तक सीमित न रहें, बल्कि अपने शोध कार्य को पूरा करके अकादमिक मंचों तक पहुँचा सकें।

आयोजकों ने यह भी रेखांकित किया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत यूजी और पीजी स्तर पर रिसर्च प्रोजेक्ट और अकादमिक लेखन को अनिवार्य बनाए जाने के बाद, विशेष रूप से जनजातीय और हाशिए पर स्थित समुदायों के विद्यार्थियों के लिए ऐसे संरचित कार्यक्रम अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो जाते हैं। उद्घाटन सत्र में यह संदेश स्पष्ट रूप से रखा गया कि मंडला 2026 के माध्यम से वि।श्विद्यालय न केवल शोध कौशल सिखाने का प्रयास कर रहा है, बल्कि आदिवासी विद्यार्थियों की आवाज, अनुभव और दृष्टिकोण को मुख्यधारा के शोध-विमर्श में प्रतिष्ठित करने की दिशा में एक सशक्त मंच भी तैयार कर रहा है।

पहले दिन के तकनीकी सत्रों में संसाधन व्यक्तियों ने शोध की बुनियादी अवधारणाओं से लेकर उन्नत स्तर तक विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। ह्लशोध परिचय एवं शोध पद्धति आधारभूत सिद्धांतह्व विषय पर सत्र में प्रप्रो. संजय लोढ़ा ने शोध के उद्देश्य, प्रकार, समस्या चयन, परिकल्पना, तथा गुणात्मक और मात्रात्मक पद्धतियों के मूलभूत अंतर पर सरल और संवादात्मक ढंग से चर्चा की । इसके पश्चात ह्लशोध के प्रकार और शोध अभिकल्पनाह्व पर केन्द्रित सत्र में डॉ. नेहा पालीवाल ने शोध अभिकल्पना, सैंपलिंग, वैधता और विश्वसनीयता, तथा क्षेत्रीय-आधारित शोध की विशिष्ट चुनौतियों पर प्रकाश डाला। तीसरे तकनीकी सत्र ह्लडेटा संकलन और विश्लेषण की तकनीकेह्व में डॉ. शिल्पा लोढ़ा द्वारा डेटा संकलन के विभिन्न उपकरणों , साक्षात्कार, फोकस ग्रुप डिस्कशन, ऑब्जर्वेशन, सर्वे आदि तथा डेटा के प्रबंधन और प्रारंभिक विश्लेषण के व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया।

कार्यशाला के सत्रों का आयोजन और संचालन सु वि वि की छात्राओं जमीला, ख्याति पालीवाल, पायल माली , दीपिका साल्वी, रानू वैष्नव, अमन साल्वी, भावना गोस्वामी, शाइस्ता रिजवाना, ललित मेघवाल, विनिशा शर्मा, अभिलाषा डांगी, कृष्णा सेन, महेश रेगर आदि ने लिया। नुक्कड़ नाटक प्रॉब्लम नहीं, पीरियड्स है की प्रस्तुति एम डी एस हॉस्टल की छात्राओं ने किया जिसमे बहुत ही प्रभावी ढंग से इससे सम्बंधित रूढ़िवादी विचारधारा पर सवाल किया ह्ल चुप्पी तोड़ेंगे, सोच बदलेंगेह्व का नारा किया। इसमें विभिन्न विभागों की छात्राओं साक्षी अंजना, विभा शर्मा, राजवी सोनी, मिली गोयल, किंजल, विजयलक्ष्मी वैष्णब, प्रेरणा नागदा, अक्षपारी चांदावत, खुशबू राठी, वैभवी, निष्ठा धाकड़, गुनीषा मकोल ने प्रस्तुति दी।

खबर संक्षेप

विदिशा के डायल 112 हीरोज

तालाब में कूदी महिला को सुरक्षित बाहर निकाला

भोपाल @ पदमावत मीडिया। विदिशा जिले के थाना त्योंदा क्षेत्र में डायल-112 जवानों की त्वरित, साहसिक और संवेदनशील कार्यवाही ने आत्महत्या के प्रयास में तालाब में कूदी एक महिला की जान बचाकर मानवता और कर्तव्यनिष्ठा का सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया। समय रहते की गई इस कार्रवाई ने एक अनमोल जीवन को सुरक्षित कर दिया। दिनांक 09 को मार्च राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम, डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना त्योंदा क्षेत्र में एक महिला तालाब के किनारे बैठी हुई है और किसी अप्रिय घटना की आशंका प्रतीत हो रही है। सूचना मिलते ही त्योंदा थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 एफआरव्ही वाहन को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। डायल-112 स्टाफ आरक्षक राजेंद्र मिश्रा एवं पायलट देवेंद्र कुशवाहा मौके पर पहुँचे और स्थिति का जायजा लिया। इसी दौरान ज्ञात हुआ कि पारिवारिक विवाद के चलते अवसादग्रस्त 35 वर्षीय महिला आत्महत्या के उद्देश्य से तालाब में कूद गई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डायल-112 जवानों ने बिना समय गंवाए तत्परता और साहस का परिचय देते हुए महिला को सुरक्षित तालाब से बाहर निकाला। इसके पश्चात जवानों ने महिला को समझाइश देकर मानसिक रूप से शांत किया और पहचान एवं सत्यापन के उपरांत उसे सुरक्षित उसके परिजनों के सुपुर्द किया। डायल 112 हीरोज श्रृंखला के अंतर्गत यह घटना यह संदेश देती है कि मध्यप्रदेश पुलिस केवल कानून व्यवस्था की प्रहरी ही नहीं, बल्कि संकट में फंसे प्रत्येक व्यक्ति के जीवन की रक्षा के लिए सदैव संवेदनशील, सजग और समर्पित है।

पन्नाधाय सुरक्षा सम्मान से सम्मानित हुआ राहडा फाउंडेशन

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। सशक्त महिला, सशक्त समाज और सशक्त राष्ट्र के

उद्देश्य को लेकर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय पन्नाधाय सुरक्षा सम्मान कार्यक्रम में उदयपुर की अग्रणी सामाजिक संस्था राहडा फाउंडेशन को उसके उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। जिला प्रशासन तथा महिला अधिकारिता विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी, कलक्टर नमित मेहता तथा एडीजे कुलदीप शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान योजना के अंतर्गत राहडा फाउंडेशन की संस्थापक अर्चना सिंह चारण को उनके उल्लेखनीय सामाजिक योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि राहडा फाउंडेशन पिछले कई वर्षों से समाज सेवा के विभिन्न क्षेत्रों, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, बाल संरक्षण तथा गौ आधारित नवाचार में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहा है। फाउंडेशन द्वारा तैयार की जाने वाली गोकाष्ठ प्राकृतिक, पर्यावरण-अनुकूल और किफायती विकल्प के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रही है। हाल में जयपुर में आयोजित एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम में राहडा फाउंडेशन द्वारा लगाए गए गोकाष्ठ एवं गौ-आधारित उत्पादों के स्टॉल का अवलोकन करते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी इस अभिनव पहल की सराहना की। संस्था की संस्थापक अर्चना सिंह चारण ने इस सम्मान को पूरी टीम, सहयोगियों और समाज के सहयोग का परिणाम बताते हुए कहा कि राहडा फाउंडेशन का उद्देश्य केवल सेवा कार्य करना ही नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता और सकारात्मक बदलाव लाना भी है।

युवा प्रतिभा पुरस्कार प्रतियोगिता हेतु आवेदन 11 मार्च तक

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र उदयपुर द्वारा आयोजित होने वाली युवा प्रतिभा पुरस्कार प्रतियोगिता में भाग लेने वाले इच्छुक युवाओं से दिनांक 11 मार्च तक आवेदन आमंत्रित किये जा रहे है। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र उदयपुर के निदेशक फुरकान खान ने युवा प्रतिभा पुरस्कार प्रतियोगिता के बारे में बताया कि 18 से 30 वर्ष की मध्य की आयु वाले युवाओं की विभिन्न प्रतिभाएं यथा लोक गायन, लोक नृत्य, लोक वाद्य वादन तथा लोकनाट्य को एक राज्य स्तरीय मंच देने एवं उनकी कलाओं को प्रोत्साहित करने एवं राज्य/देश स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है।

पंच गौरव कार्यक्रम के तहत ब्लॉक स्तरीय तैराकी टेलेन्ट सर्च शुरू, नन्हें तैराकों ने दिखाई प्रतिभा

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल के तहत चलाए जा रहे पंच गौरव कार्यक्रम के तहत जिले में खेल प्रतिभाओं की खोज एवं उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन एवं खेलकूद प्रशिक्षण केंद्र के तत्वावधान में ब्लॉक स्तरीय तैराकी टैलेंट सर्च सोमवार से प्रारंभ हुआ। प्रथम चरण में गिर्वा, ऋषभदेव, खेरवाड़ा और नयागांव की ब्लॉक स्तरीय तैराकी प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। इसमें नन्हें तैराकी ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिला खेल अधिकारी डॉ. महेश पालीवाल ने बताया कि गिर्वा ब्लॉक की प्रतियोगिता महाराणा प्रताप खेल गांव, उदयपुर में प्रशिक्षक सुनील कुमावत, धर्मवीर सिंह राणावत, रणवीर सिंह राणावत द्वारा आयोजित की गई, जिसमें ब्लॉक के प्रभारी दिनेश डामोर, संजय पंडया, ओंकार लाल मीणा द्वारा लाए गए क्षेत्र के प्रतिभाशाली तैराकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसमें संयम मीणा, तनुष सक्सेना, वीरेंद्र कुमार मीणा, सौरभ सेन, अरुण मीणा, हिम्मत कुमार मीणा, आरव चौबीसा, राजकुमार मीणा, अर्जुन मीणा, राजवीर सिंह चौहान, मदन गायरी, कार्तिक गुर्जर, देवज्ञ राज सोनी और आलिया सक्सेना को विजेता घोषित किया गया। सभी तैराकों को पदक, स्मृति चिह्न प्रदान किये गए। उधर, खेरवाड़ा स्थित अतिथि पैलेस होटल के तरणताल में ऋषभदेव, खेरवाड़ा एवं नयागाँव की स्पधाएं हुई। ऋषभदेव तैराकी प्रतियोगिता सुबह 10 बजे से प्रारंभ की गई। इसमें गोल्ड मेडल संजय मीणा, शीला मीणा, पीपली अ, रियोन भगोरा, शांतिलाल मीणा, कल्पना मीणा ने जीता। सिल्वर मेडल सीमा मीणा, सुशीला मीणा, पीपली अ, गौरव मीणा, ऋषभ मीणा, रवि प्रकाश मीणा ने तथा ब्रोंज मेडल आयुष मीणा पीपली अ, नमन मीणा, गोविंद मीणा, आशिक मीणा, रीतिका मीणा ने प्राप्त किए। खेरवाड़ा तैराकी प्रतियोगिता दोपहर 12 बजे से प्रारंभ की गई। इसमें गोल्ड मेडल मधु मीणा, अविनाश मीणा, कल्पना, सिल्वर मेडल शिल्पा संदीप, संगीता, राशि तथा ब्रोंज मेडल निपीका, अशोक, प्रिमल, प्रियंका अहारी, अंकिता, शीतल ने प्राप्त किये। नयागाँव तैराकी प्रतियोगिता दोपहर 2 बजे से प्रारंभ की गई। इसमें गोल्ड मेडल रविलाल, अक्षय, अल्पेश, पूजा, सोनिया, सिल्वर मेडल -शामिल, विजय, राकेश, काजल तथा ब्रोंज मेडल आर्यन बरंडा, संजय, सत्यम ने प्राप्त किये। इस अवसर पर मुख्य अतिथि समाजसेवी पारस जैन रहे। अध्यक्षता भूधर सरपंच बद्रीलाल भगोरा ने की। विशिष्ट अतिथि राधेशाम सुथार रहे। निर्णायक की भूमिका भारत भूषण जोशी, लक्ष्मणलाल बरंडा, सूर्या खोखरिया, लालूराम मीणा, अविनाश मीणा, रीना डामोर, रोशन गमार, प्रभुलाल खराडी, लालशंकर मीणा ने निभाई। दल प्रभारी बहादुर सिंह मीणा उपस्थित रहे।

झाड़ोल में आज होगी प्रतियोगिता

जिला खेल अधिकारी ने बताया कि टेलेन्ट सर्च के तहत 10 मार्च को कोटड़ा, झाड़ोल और फलासिया ब्लॉक की प्रतियोगिताएं झाड़ोल में आयोजित होंगी। 11 मार्च को गोगुन्दा में गोगुन्दा, सायरा, देवला व बडगॉव तथा चतुर्थ चरण में 12 मार्च को भटेवर में मावली, वल्लभनगर, भीण्डर व कुराबड की ब्लॉक स्तरीय टेलेन्ट सर्च तैयारी प्रतियोगिताएं होंगी। चयनित प्रतिभागियों को आगामी दिनांक 13 से 28 मार्च तक 15 दिवसीय आवासीय शिविर में महाराणा प्रताप खेल गांव, उदयपुर में होगा। इसमें दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

होमगार्ड अभ्यर्थियों की नामांकन प्रक्रिया 29 से 31 मार्च तक

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र उदयपुर में वर्ष 2022 के अभ्यर्थियों की नामांकन प्रक्रिया 29 मार्च से 31 मार्च 2026 तक चेतक सर्कल स्थित गांधी ग्राउंड में आयोजित की जाएगी। गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र उदयपुर के कमाडेंट प्रणय जसोरिया ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया निदेशालय, गृह रक्षा राजस्थान जयपुर द्वारा गठित चयन समिति (बोर्ड) के सदस्यों की उपस्थिति में संपन्न होगी। चयन समिति में केन्द्र/गण के समादेष्टा, गृह रक्षा महानिदेशक के प्रतिनिधि तथा जिला पुलिस अधीक्षक के प्रतिनिधि सदस्य के रूप में शामिल रहेंगे। तीन दिनों तक चलने वाली इस नामांकन प्रक्रिया में केन्द्र के 350 रिक्त पदों के विरुद्ध कुल 7711 अभ्यर्थी भाग लेंगे। अभ्यर्थियों को प्रक्रिया की सूचना मोबाइल पर एसएमएस और ई-मेल के माध्यम से भेजी जाएगी। अभ्यर्थी दिए गए लिंक या विभागीय वेबसाइट पर जाकर अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगे। गृह रक्षा स्वयंसेवकों की नामांकन प्रक्रिया लगभग तीन सप्ताह तक चलने की संभावना है। इसके लिए विभिन्न जिलों के अभ्यर्थियों को अलग-अलग तिथियों और समय पर उपस्थित होने के लिए बुलाया जाएगा। अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि, समय और स्थान पर मूल निवास, आयु, शैक्षणिक योग्यता, विशेष योग्यता, जाति, चिकित्सा, विवाह और पुलिस सत्यापन प्रमाण-पत्र सहित सभी आवश्यक दस्तावेज लेकर उपस्थित होना होगा। नामांकन स्थल पर प्रवेश के बाद किसी भी अभ्यर्थी को ग्राउंड से बाहर जाकर दस्तावेज लाने की अनुमति नहीं होगी। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी कार्यालय के दूरभाष नंबर 0294-2940209 पर संपर्क कर सकते हैं।

अंतसंभागीय सिविल सेवा खेलों में उदयपुर का दमदार प्रदर्शन

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। उदयपुर में गत 5 से 7 मार्च तक आयोजित हुई 12वीं अंतसंभागीय सिविल सेवा खेलकूद प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली उदयपुर संभाग की विजेता टीमों ने सोमवार को अपनी-अपनी ट्रॉफियां संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी को सुपुर्द की। इस अवसर पर खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के अनुभव साझा किए और खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन का संकल्प भी दोहराया। प्रतियोगिता में उदयपुर संभाग के खिलाड़ियों ने कई स्पधाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। क्रिकेट प्रतियोगिता में उदयपुर की टीम विजेता रही। वहीं महिला लॉन टेनिस में उदयपुर की टीम उपविजेता बनी। महिला बैडमिंटन और महिला टेबल टेनिस प्रतियोगिताओं में भी उदयपुर की टीमों ने शानदार खेल दिखाते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। संभागीय आयुक्त सुश्री केवलरमानी ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल प्रतियोगिताएं टीम भावना, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देती हैं। उन्होंने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी उत्साह और समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

चेतना भाटी को मिला राज्य स्तरीय पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान पुरस्कार

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हनुमानगढ़ में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में श्रीमती चेतना भाटी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजस्थान पुलिस को महिलाओं और बालिकाओं के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग राजस्थान सरकार द्वारा राज्य स्तरीय पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान पुरस्कार के तहत 21 हजार के नगद पुरस्कार प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। वर्तमान में यह सीआईडी एसएसबी जोन उदयपुर में कार्यरत है । इन्हें पूर्व में दो बार डीजीपी डिस्क से सम्मानित किया जा चुका है एवं मुख्यमंत्री के द्वारा योग्यता प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया है। जिला राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ नारे के लेखन महिला सशक्तिकरण एवं साइबर अपराधों के संबंध में समय-समय द्वारा लिखे गए स्लोगन , लेखों भाषणों और कविताओं के द्वारा जन जागृति पैदा करने के प्रयासों के फल स्वरूप ने कई बार सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं के द्वारा सम्मानित किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर उदयपुर संभागीय आयुक्त का अभिनंदन

महिला खिलाड़ियों को दिया आत्मविश्वास और समर्पण का संदेश

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उदयपुर संभाग में एक प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जनजातीय क्षेत्र के विकास तथा खेलों के प्रोत्साहन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहीं संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी का विशेष रूप से अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर खेल जगत से जुड़ी कई प्रतिभाशाली महिला खिलाड़ियों, उनके अभिभावकों तथा खेल प्रेमियों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। कार्यक्रम का वातावरण महिला सशक्तिकरण और खेल भावना से ओतप्रोत रहा।

कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करने वाली लेक्रोज खिलाड़ियों ने भी भाग लिया। इनमें सुनीता मीणा, जुला कुमारी गुर्जर, डाली गमेती, मीरा दौजा, यशिष्ठा बत्रा, यशोदा गमेती, विशाखा मेघवाल, रोशनी बोस, जानवी राठौड़, मुकन कुमारी गुर्जर तथा हेमलता डांगी सहित कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की महिला खिलाड़ी उपस्थित रहीं। सभी खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों ने संभागीय आयुक्त के उन प्रयासों की सराहना की, जिनके माध्यम से वे जनजातीय क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं।

खिलाड़ियों और अभिभावकों ने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन संसाधनों की कमी के कारण कई प्रतिभाएं सामने नहीं आ पाती। ऐसे में संभागीय आयुक्त द्वारा खेल सुविधाओं के विकास, प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध कराने और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने की दिशा में किए जा रहे प्रयास अत्यंत सराहनीय है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप कई खिलाड़ी अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही है।

अपने संबोधन में संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी ने महिला खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि उन्हें कभी भी स्वयं को किसी से कमतर नहीं समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास, अनुशासन और निरंतर अभ्यास किसी भी खिलाड़ी की सफलता की कुंजी होते हैं। यदि खिलाड़ी समर्पण और मेहनत के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ें, तो वे न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपने देश और क्षेत्र का गौरव बढ़ा सकती हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि खेल केवल जीत और हार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को विकसित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। खेल के माध्यम से युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है, जो उन्हें जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

संभागीय आयुक्त ने विशेष रूप से जनजातीय क्षेत्रों की बालिकाओं और युवतियों को खेलों में आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन का प्रयास है कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, सुविधाएं और अवसर उपलब्ध कराए जाएं, ताकि वे अपनी क्षमता का पूरा उपयोग कर सकें और समाज में एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत कर सकें।

उन्होंने खिलाड़ियों को यह भी संदेश दिया कि व्यक्तिगत उपलब्धियों के साथ-साथ समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझना भी उतना ही आवश्यक है। एक सफल खिलाड़ी अपने क्षेत्र, समाज और देश के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है, इसलिए उन्हें अपने व्यवहार और कार्यों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों ने भी अपने अनुभव साझा किए और कहा कि खेलों के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और समाज में सम्मानजनक स्थान प्राप्त करने का अवसर मिलता है। खेल महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं और उन्हें चुनौतियों का सामना करने की शक्ति प्रदान करते हैं।

इम्तियाज अली की 'हीर रांझा' में नजर आएंगी सारा अर्जुन

इम्तियाज अली ने 14 फरवरी के दिन हीर रांझा फिल्म का ऐलान किया था। इसके अनाउंसमेंट वीडियो में हमें लैला मजनू की झलकियां देखने को मिली थी। लेकिन साथ ही हीर रांझा का भी कनेक्शन दिखाई दिया था। अब फिल्म को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं और इसकी कास्ट को लेकर लगातार चर्चाएं जारी हैं।

'लैला मजनू' का पार्ट 2 !

'हीर रांझा' फिल्म मशहूर पंजाबी लोककथा पर आधारित एक भव्य रोमांटिक कहानी होगी। इस प्रोजेक्ट के साथ दोनों भाई एक बार फिर एपिक लव स्टोरी की दुनिया में लौट रहे हैं। फिल्म को एकता कपूर प्रोड्यूस करेंगी, जो इससे पहले इम्तियाज और साजिद के साथ 'लैला मजनू' में काम कर चुकी हैं। दिलचस्प बात यह है कि 'हीर रांझा' को 'लैला मजनू' फ्रेंचाइजी का दूसरा चैप्टर माना जा रहा है, जो लव स्टोरी के पार्ट को आगे बढ़ाएगा। फिल्म की घोषणा के बाद से ही कास्टिंग को लेकर चर्चाएं तेज हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, धुरंधर फेम सारा अर्जुन इस फिल्म में फीमेल लीड के लिए सबसे मजबूत दावेदार मानी जा रही हैं। बताया जा रहा है कि मेकर्स एक फ्रेश चेहरे की तलाश में हैं और सारा इस भूमिका के लिए बिल्कुल फिट बैठती हैं। बता दें कि 2025 में आई आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' से सारा ने खास पहचान बनाई थी और अब वह इंडस्ट्री की उभरती हुई टैलेंटेड एक्ट्रेसेज में गिनी जा रही हैं।

सारा का वर्कफ्रंट

वर्क फ्रंट की बात करें तो सारा अर्जुन जल्द ही 'धुरंधर 2' में रणवीर सिंह के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म 19 मार्च को रिलीज होने वाली है।

कौन होगा मेल लीड?

वहीं, मेल लीड के लिए रोहित सराफ का नाम चर्चा में है। हालांकि मेकर्स की ओर से अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन अगर रोहित और सारा की जोड़ी बनती है तो उन्हें बड़े पर्दे पर रोमांस करते देखना दिलचस्प होगा। फिलहाल कास्टिंग प्रक्रिया जारी है।

सिंगर रितेश पांडे ने बनाया सबसे बड़ा रिकॉर्ड

100 करोड़ व्यूज के साथ रचा इतिहास

भोजपुरी गाना 'हैलो कौन' आज भी लोगों की जुबान पर है, रितेश पांडे की आवाज में गाए इस गाने ने यूट्यूब पर 1 अरब से ज्यादा व्यूज हासिल कर इतिहास रच दिया. इस गाने ने पवन सिंह और खेसारी लाल जैसे बड़े सितारों के गानों को भी पीछे छोड़ दिया. भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री में कई गाने ऐसे हैं जो रिलीज होते ही सोशल मीडिया और यूट्यूब पर छा जाते हैं. लेकिन कुछ गाने ऐसे भी होते हैं जो सालों बाद भी लोगों की जुबान पर बने रहते हैं. भोजपुरी गानों की जहां बात आती है, तो कुछ खास सिंगर्स के ही नाम सामने आते हैं, जिसमें पवन सिंह, खेसारी लाल यादव, निरहुआ का नाम शामिल है. लेकिन, कमाल की बात है कि यूट्यूब पर जिस भोजपुरी गाने ने कब्जा जमाया है, वो इन में से किसी भी सिंगर का गाना नहीं है. भोजपुरी के गानों का क्रेज दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है, इनमें से भी कुछ गाने ऐसे हैं, जो सालों बितने के बाद भी लोगों के जुबान पर टिका रहता है. हम जिस गाने की बात कर रहे हैं, वो साल 2019 में रिलीज हुआ गाना, 'हैलो कौन' है. इस गाने को भोजपुरी सिंगर और एक्टर रितेश पांडे ने गाया है. इस गाने ने व्यूज के मामले में ऐसा रिकॉर्ड बना दिया कि बड़े-बड़े सुपरस्टार भी पीछे रह गए. इस गाने ने पवन सिंह और खेसारी के रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है.

अब मैं खुद से पूछती हूं कि

मैं सच में कहां की हूं: सेलिना जेटली

अभिनेत्री सेलिना जेटली ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए अपने जीवन के उतार-चढ़ाव, विदेश प्रवास और अपनी पहचान के संघर्ष पर दिल की बात कही। उन्होंने भारत वापसी की जानकारी देते हुए अपने मन के खालीफन और उदासी को व्यक्त किया। सेलिना ने लिखा कि जब कोई व्यक्ति विदेश में उतना लंबा समय व्यतीत कर लेता है, जितना उसने अपने बचपन में माता-पिता के साथ बिताया हो, तो वह अपनी जड़ों और पहचान को लेकर असमंजस में पड़ जाता है। उन्होंने ऑस्ट्रिया (आल्प्स) के प्राकृतिक सौंदर्य की तुलना अपने बचपन की यादों, यानी कुमाऊं के पहाड़ों और जंगलों से की। हालांकि, अभिनेत्री ने यह भी साझा किया कि वर्षों विदेश में रहने के बावजूद वहां उन्हें मात्र 'पीटर की भारतीय पत्नी' के रूप में ही पहचाना गया। उन्होंने लिखा, 'पीटर हाग से मेरी शादी के बाद ऑस्ट्रेलिया और फिर ऑस्ट्रिया में बसीं, लेकिन समय के साथ घर जैसा एहसास कम होता गया। अभिनेत्री ने अपनी मां की बात को याद करते हुए लिखा, 'आप एक ही इंसान को दो बार नहीं पा सकते, यहां तक कि उसी इंसान को भी नहीं। मां के साथ बिताया समय मेरा सबसे प्रिय समय था। अब जब मां-पिता और परिवार के सदस्य नहीं रहे, तो पुराना घर और एहसास वापस नहीं आता। कभी-कभी लोग ठीक होना भी नहीं चाहते, क्योंकि दर्द ही खोई हुई चीज से आखिरी रिश्ता बन जाता है। एक सैनिक की बेटी होने के कारण उनका बचपन कई जगहों पर बीता। कोई एक स्थायी घर नहीं था, लेकिन माता-पिता ने हर जगह प्यार और खुशियां दीं। अभिनेत्री ने लिखा, 'अब विदेशी शादी और परिवार की कमी के कारण मुझे लगता है कि मेरा घर अब कहीं नही है। न ही मैं पूरी भारतीय और न ही विदेशी। मैं दो दुनियाओं का अच्छा हिस्सा हूं, लेकिन सच्चाई यह है कि अब कोई भी जगह पूरी तरह घर जैसी नहीं लगती। सेलिना ने अपने पहाड़ों, जंगलों, बाघों और बचपन की यादों को घर का हिस्सा बताया।

कृति सेनन के खिलाफ 'रील लाइक' करने पर बोलीं यामी गौतम

'मैं घटिया PR के हथकंडे नहीं अपनाती'

सोशल मीडिया में इन दिनों 'बेस्ट एक्ट्रेस' अवॉर्ड को लेकर बहस तेज हो गई है. अभिनेत्री यामी गौतम और कृति सेनन के प्रशंसकों के बीच यह विवाद छिड़ गया है कि दोनों में से बेहतर अभिनेत्री कौन है. दिलचस्प बात यह है कि यह पूरा विवाद यामी गौतम द्वारा एक सोशल मीडिया पोस्ट को 'लाइक' करने के बाद शुरू हुआ. हालांकि, अब यामी गौतम ने इस मामले पर सफाई देते हुए कहा है कि उनका किसी भी अभिनेत्री को नीचा दिखाने का कोई इरादा नहीं था. यामी गौतम ने अपने 'लाइक' को लेकर उठे विवाद पर प्रतिक्रिया दी है. उनका कहना है कि एक सेलिब्रिटी होने के कारण उन्हें रोजाना कई पोस्ट में टैग किया जाता है और कई बार यह स्पष्ट नहीं होता कि पोस्ट किसके संदर्भ में है. अभिनेत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर

लिखा, 'मुझे पता चला है कि मैंने एक ऐसी रील को 'लाइक' किया है, जिसे किसी अन्य कलाकार के प्रति अपमानजनक माना जा रहा है. हमें रोजाना कई पोस्ट में टैग किया जाता है और यह भी एक अवॉर्ड समारोह से जुड़ी किसी अन्य टैग की तरह ही दिखाई दिया. ऐसा बिल्कुल भी जानबूझकर नहीं किया गया था. संभव है कि यह गलती से क्लिक हो गया हो. '

अक्षय कुमार की OMG 3 से कटा रानी मुखर्जी का पत्ता?

अब हो गया सच का खुलासा

अक्षय कुमार इस साल कई सीक्वल लेकर आने वाले हैं, जिनमें हेरा फेरी 3, भागम भाग 2 और वेलकम टू द जंगल शामिल है. इसी लिस्ट में एक और सीक्वल का नाम भी जुड़ गया है. अक्षय कुमार अपनी पॉपुलर फ्रेंचाइजी 'ओह माय गॉड' की तीसरा पार्ट लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम 'ओह माय गॉडेस' रखा गया है. इस फिल्म के अनाउंस होने के साथ ऐसी खबरें सामने आ रही थीं कि रानी मुखर्दी 'OMG 3' में नजर आएंगी. अक्षय कुमार की इस फिल्म में रानी मुखर्जी को लेकर चल रही तमाम खबरों के बीच अब OMG 3 पर एक नया अपडेट सामने आया है, जिससे इन तमाम अटकलों पर विराम लग गया है. हाल ही में ऐसी खबरें सामने आई थीं कि रानी मुखर्जी जल्द ही अक्षय कुमार के साथ 'ओह माय गॉड 3' में विलेन का किरदार निभाएंगी, जबकि अक्षय कैमियो करेंगे. हालांकि, अब पता चला है कि रानी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं हैं. बीते दिनों अक्षय ने रानी को 'मर्दानी 3' की रिलीज पर विश करके 'देवी' कहा, जिसे देखकर लोगों को लगा एक्टर ने इनडायरेक्टली 'ओह माय गॉडेस' को कंफर्म किया है. लेकिन अब ऐसी खबर मिली है कि रानी को 'ओह माय गॉडेस' के लिए कभी साइन नहीं किया गया था.

सोनू सूद को अकड़ दिखाने के बाद राजपाल का यू-टर्न!

राजपाल यादव ने कुछ दिन पहले ही कहा था कि उन्हें सोनू सूद की मदद की जरूरत नहीं है। जब एक्टर जेल में थे तब सोनू सूद ने उन्हें फिल्म ऑफर की थी, जिस पर राजपाल का रिएक्शन आया था। अब, दोनों को एक साथ देखकर लोग तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। बॉलीवुड एक्टर राजपाल यादव का एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वो एक्टर सोनू सूद के साथ नजर आ रहे हैं। वीडियो में दोनों साथ चलते हुए दिख रहे हैं, फिर अचानक वे गले मिलते हैं और पपाराजी के लिए मुस्कुराते हुए पोज देते हैं। दरअसल, कुछ समय पहले राजपाल यादव का नाम 9 करोड़ रुपये के कर्ज मामले से जुड़ा था। इस मामले में उन्हें जेल जाना पड़ा था। उस वक्त सोनू सूद समेत कई सेलेब्स उनकी मदद के लिए आगे आए थे। सोनू सूद ने राजपाल यादव की मदद को लेकर बात की थी और कहा था कि वो उन्हें फिल्म भी ऑफर कर रहे हैं।

राजपाल यादव ने दिखाई अकड़

हालांकि, जेल से रिहा होने के बाद राजपाल यादव ने इस मामले पर रिएक्ट किया और कहा कि उन्होंने किसी से मदद नहीं मांगी थी।

गोविंदा का दावा-

सलमान ने करवाई सर्जरी

● पार्टनर शूट करने से पहले कहा था- चेहरा उतर गया, बाल कम हैं, फिर सलमान ने बदला लुक

बॉलीवुड एक्टर गोविंदा ने सलमान खान को लेकर एक बड़ा दावा किया है। गोविंदा ने कहा कि उन्होंने ही सलमान खान को अपना लुक और फिजिकल अपीयरेंस बदलने का सुझाव दिया था। गोविंदा ने सिद्धार्थ कनन को दिए इंटरव्यू में बताया कि पार्टनर फिल्म की शुरुआत से पहले उन्होंने सलमान को बॉडी और बालों पर काम करने की सलाह दी थी, जिसके बाद सलमान ने सर्जरी कराई और खुद को पूरी तरह ट्रांसफॉर्म किया।

इंटरव्यू में गोविंदा ने कहा, 'मैंने सलमान से कहा था कि तुम्हें यह और यह करना है। थोड़ा सा चेहरा उतर गया है, थोड़ी बॉडी तैयार कर लीजिए। आपके बाल भी थोड़े कम लग रहे हैं, तो आपको कुछ करना चाहिए।' गोविंदा के मुताबिक, उन्होंने यह बात एक-दो ड्रिंक लेने के बाद कही थी।

दावा- सलाह के बाद सलमान ने कराई थी सर्जरी

गोविंदा ने दावा किया कि उनकी बात सुनने के बाद सलमान खान ने इसे गंभीरता से लिया। गोविंदा ने कहा, 'सलमान गया और उसने सर्जरी कराई, फिर एक्सरसाइज शुरू की। पार्टनर के बाद आप सलमान को देखिए, वह पहले जैसा नहीं था। हमने कोशिश की थी कि उसकी पर्सनैलिटी को पूरी तरह बदल दें और हम इसमें कामयाब रहे।

'टटीरी' गाने को लेकर बादशाह की बढ़ीं मुश्किलें

हरियाणा की राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने रैपर-सिंगर बादशाह और उनके नए गाने को लेकर हुए विवाद पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि सिंगर का काम माफी के लायक नहीं है।

माफी के लायक नहीं काम

आदित्य प्रतीक सिंह सिसोदिया उर्फ बादशाह हाल ही में गाना 'टटीरी' को लेकर विवादों में आ गए। लोगों ने इसके लिरिक्स पर आपत्ति जताई। इस पर बादशाह ने माफी मांगी है। इस बीच मीडिया से बात करते हुए भाटिया ने कहा 'बादशाह ने जो किया है वह माफ करने लायक नहीं है। हरियाणा की बेटियों का इस तरह अपमान करना और उनके खिलाफ ऐसी गंदी भाषा का इस्तेमाल करना बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। हमने उन्हें 13 मार्च को बुलाया है।

शनिवार को बादशाह ने एक वीडियो में अपने काम को लेकर माफी मांगी थी। उन्होंने कहा था 'मैं खुद हरियाणा से हूं। जो लोग मुझे जानते हैं, वो जानते हैं कि मेरी बोली, मेरा खान-पान, मेरा रहना-सहना, मेरी पहचान हरियाणा से है। मैं एक हरियाणवी हूं। मेरा कभी ऐसा कोई इरादा नहीं था कि मैं हरियाणा के किसी बच्चे, किसी महिला के बारे में ऐसी बात कहूं।

स्वत्वाधिकारी, संस्थापक, प्रकाशक एवं प्रधान सम्पादक : **पवन मॉंगीलाल जैन उर्फ पवन जैन पदमावत, प्रधान कार्यालय** : गणेश नगर, कांदिवली वेस्ट, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400067 से अमुद्रित ऑनलाईन प्रकाशित। **मो. नं.** : +91-95945-42679
e-mail :- padmavatmedia@gmail.com / Web : padmavatmedia.in (नोट : पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुम्बई, महाराष्ट्र होगा। उक्त ई-पेपर को अवैध रूप से छपवाना कानूनी अपराध हैं।